जन आकांक्षाओं पर आधारित होगा, राज्य का आगामी बजट- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जोधपुर संभाग के सभी विधायकों व प्रत्याशियों से विधानसभा वार बजटपूर्व संवाद किया

जयपुर, 2 जनवरी। नए वर्ष की शुरुआत में ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार के आगामी बजट को लेकर एक बड़ा कदम उठाया है। बजट पूर्व चर्चा के तहत मुख्यमंत्री ने विधायकों एवं प्रत्याशियों से सीधा संवाद स्थापित किया, ताकि बजट को सर्वस्पर्शी, समावेशी और परिणामोन्मुखी बनाया जा सके। शुक्रवार को मुख्यमंत्री शर्मा ने जोधपुर संभाग के सभी विधायकों एवं प्रत्याशियों के साथ जिलेवार एवं विधानसभावार संवाद किया। इस दौरान प्रत्येक क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति, भविष्य की विकास योजनाओं और स्थानीय जनाकांक्षाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों के संतुलित विकास को सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मानना है कि बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज न होकर आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला माध्यम बने। उन्होंने कहा कि जनभावनाओं को गहराई से समझकर ही एक प्रभावी और जनहितकारी बजट तैयार किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती सरकारों के विपरीत, वर्तमान सरकार ने अपने पहले दो वर्षों के बजट में सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों को समान रूप से विकास की सौगात दी है।

आगामी बजट में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गरीब, युवा, अन्नदाता और महिला के कल्याण के मूल मंत्र को केंद्र में रखते हुए विकास का स्पष्ट रोडमैप तैयार किया जाएगा।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि जनभावनाओं को समझकर ही एक प्रभावी और जनहितकारी बजट तैयार किया जा सकता है। पूर्ववर्ती सरकारों के विपरीत वर्तमान सरकार ने अपने पहले दो वर्षों के बजट में सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों को समान रूप से विकास की सौगात दी है।**

खुंखार नक्सली बारसे देवा ने आत्म समर्पण किया

सुकमा, 02 जनवरी। छत्तीसगढ़ में माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है। कुख्यात नक्सली बारसे देवा ने सरेंडर कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, माओवादी संगठन के बड़े नाम बारसे देवा ने अपने लगभग 15 साथियों के साथ तेलंगाना में सरेंडर किया है। बारसे देवा 15 माओवादियों के साथ नेशनल पार्क क्षेत्र से निकलकर तेलंगाना पहुंचा था। जानकारी के अनुसार, उसे एनकाउंटर का डर था जिसके बाद उसने सरेंडर करने का फैसला किया।

- **तेलंगाना पुलिस ने अभी 25 लाख रु. के इनामी इस नक्सली व उसके साथियों के सरेंडर की पुष्टि नहीं की है**

उसने तेलंगाना डीजीपी के सामने सरेंडर किया है। बारसे देवा नक्सली कमांडर हिड़मा का करीबी था। हिड़मा के मारे जाने के बाद से ही बारसे देवा के सरेंडर के दावे किए जा रहे हैं। बारसे देवा के पहले जगदलपुर में भी सरेंडर की खबर आई है। बारसे देवा माओवादी पार्टी की सैन्य टुकड़ियों (सशस्त्र बलों) की गतिविधियों को संभाल रहा था।

पाकिस्तान से ड्रोन द्वारा भेजी 20 करोड़ रूपए की हेरोइन पकड़ी

क्रैश हुए ड्रोन तथा हेरोइन के साथ तीन तस्कर पुलिस की गिरफ्त में आए

श्रीगंगानगर, (निसं), 2 जनवरी। पाकिस्तानी तस्करों की तरफ से लगातार इंटरनेशनल बॉर्डर पर राजस्थान में ड्रग्स भेजी जा रही है। श्रीगंगानगर में नए साल (1 जनवरी) की रात ड्रोन के जरिए 20 करोड़ की हेरोइन भेजी गई। ड्रग्स को गिराते समय ड्रोन क्रैश हो गया। 4.88 किलो हेरोइन और ड्रोन को ले जा रहे तीन तस्करों को रावला थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

श्रीगंगानगर एसपी ड़ॉ. अमृता दुहन ने शुक्रवार को घड़साना पुलिस थाने में हेरोइन तस्करी का खुलासा किया है। एसपी ने बताया, हेरोइन की खेप सीमा पार पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भेजी गई थी। जिस स्थान पर हेरोइन गिराई गई, वहीं ड्रोन भी क्रैश हो गया था। रावला थाना पुलिस टीम 1 जनवरी की रात को गश्त पर थी। इसी दौरान थाना क्षेत्र के 15 पुलिया के पास नहर किनारे तीन युवक संदिग्ध हालत में दिखाई दिए। उनके पास एक प्लास्टिक का कट्टा था। पुलिस वाहन को देखकर तीनों भागने लगे, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया।

- **गिरफ्तार तस्करों के साथ गहन पूछताछ में पुलिस को तस्करी नेटवर्क तथा सीमा पार सम्पर्कों के बारे में खुलासे की आशा है।**

रावला थाना प्रभारी बलवंत कुमार ने बताया कि पूछताछ के दौरान तीन युवक काफी डरे हुए लग रहे थे। तलाशी में 4 किलो 88 ग्राम हेरोइन और एक ड्रोन बरामद हुआ। कार्रवाई करते हुए जगनदीप सिंह उर्फ लब्बू सिंह (26), निवासी चक 10 (अनूपगढ़), नीटू सिंह उर्फ रवनीत सिंह (21), निवासी डबली राठान (हनुमानगढ़), सतपाल सिंह (27), निवासी चक 04 एसटीआर (घड़साना) को गिरफ्तार किया गया। बीएसएफ के सहयोग से आसपास के खेतों, रास्तों और संभावित ठिकानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है, जिससे तस्करी नेटवर्क और सीमा पार संपर्कों को लेकर बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। इतनी बड़ी मात्रा में हेरोइन की बरामदगी के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। सीमा क्षेत्र में ड्रोन के जरिए हो रही तस्करी के बढ़ ते मामलों को देखते हुए निगरानी और सख्त कर दी गई है।

इंदौर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दुखद घटना के संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करने के उपरांत प्रदेश के अन्य स्थानों के लिए भी हम सुधारात्मक कदम उठा रहे हैं। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्यक्रम बनाने के निर्देश दिए गये हैं।

'अगर आपके यहां आतंकवाद है तो आपके पास अच्छा पड़ोसी नहीं है'

विदेश मंत्री जयशंकर ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना उसे जमकर खरी खोटी सुनाई

चेन्नई, 02 जनवरी। आतंकवाद को लेकर एक बार फिर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत की नीति स्पष्ट की है। आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने कहा कि भारत उन पड़ोसियों से अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार रखता है, जो आतंकवाद का समर्थन करते हुए नई दिल्ली से सहयोग की उम्मीद करते हैं। उन्होंने पाकिस्तान का जिक्र करते हुए साफ कहा कि अच्छे पड़ोसी-संबंध और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते।

विदेश मंत्री एस जयशंकर तमिलनाडु के आईआईटी मद्रास में आयोजित "फायरसाइड चैट" कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने के लिए चेन्नई पहुंचे। कार्यक्रम में संबोधन के दौरान उन्होंने इशारों-इशारों में पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई।

भारत की पड़ोस नीति के बारे में एस. जयशंकर ने कहा, मैं दो दिन पहले बांग्लादेश में था। हमें कई तरह से बहुत सारे पड़ोसी मिले हैं। अगर आपका कोई पड़ोसी अच्छा है या नुकसान नहीं पहुंचा रहा है, तो आप स्वाभाविक रूप से उसके साथ संबंध बनाते हैं। भारत ऐसे पड़ोसी की मदद करता है, स्वाभाविक रूप से। हमारे ज्यादातर पड़ोसियों को वैक्सीन की पहली खेप भारत से मिली।

- **विदेश मंत्री जयशंकर ने आई आई टी मद्रास में आयोजित "फायर साइड चैट" कार्यक्रम में बतौर अतिथि बोलते हुए कहा, हमें हमारे बुरे पड़ोसियों से अपने लोगों की रक्षा का पूरा अधिकार है।**

आतंकवाद पर बोलते हुए विदेश मंत्री ने कहा, जब बात बुरे पड़ोसियों की आती है तो वे आतंकवाद पर अड़े रहते हैं। इसलिए हमें अपने लोगों को आतंकवादियों से बचाने का हक है। हम अपनी रक्षा के लिए जो कुछ भी कर सकते हैं, करते हैं।

इंदौर त्रासदी पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निकलने से पहले अधिकारियों को सूचना देनी चाहिए थी। इससे पहले उन्होंने राहुल गांधी पर, सार्वजनिक रूप से अपनी बहन को चूमने और "संस्कृति की कमी" का आरोप लगाने पर भी नाराज़गी झेली थी। अगस्त 2025 में उन्होंने 1947 में भारत की आज़ादी को कटी-फटी आज़ादी बताया था और कहा था कि वह दिन आएगा, जब भारतीय तिरंगा इस्लामाबाद में फहराया जाएगा और अखंड भारत का सपना साकार होगा। सन् 2023 में उन्होंने यह कहकर विवाद खड़ा किया था कि खराब और भड़कीले कपड़े पहनने वाली लड़कियाँ शूर्पणखा जैसी लगती हैं। जून 2019 में उनके बेटे आकाश पर इंदौर नगर निगम के एक अधिकारी को बल्ले से मारने का आरोप लगा था, जिससे वे भी विवादों में आ गए थे। हालांकि 2024 में अदालत में अधिकारी के यह कहने के बाद कि उसे यक़ीन नहीं है कि उसे किसने मारा था, आकाश को मामले में बरी कर दिया गया।

मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलेंगी ममता जी

कोलकाता, 02 जनवरी। पश्चिम बंगाल में सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य में चल रही चुनावी प्रक्रिया के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर अपनी आपत्तियां औपचारिक रूप से दर्ज कराने के लिए नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात करेंगी।

- **ज्ञानेश कुमार से मुलाकात कर वे एस आई आर पर अपनी आपत्तियां औपचारिक रूप से दर्ज कराएंगी।**

अभिषेक आज बारुईपुर में 2026 की पहली राजनीतिक जनसभा में बोल रहे थे। उन्होंने दिल्ली में चुनाव आयुक्तों के साथ हुए टकराव का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने अनुचित व्यवहार किया था, जिसके कारण उन्हें अधिकारी को एक नामित अधिकारी और एक निर्वाचित प्रतिनिधि के बीच का अंतर याद दिलाना पड़ा। तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि चुनावों से पहले वे राज्य भर में इसी तरह की कई रैलियों को संबोधित करेंगे।

'इंदौर में पानी नहीं ज़हर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा'

इंदौर त्रासदी पर राहुल गांधी का मध्यप्रदेश सरकार पर तीखा हमला

नयी दिल्ली, 02 जनवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित जल से नागरिकों की मृत्यु तथा कई अन्य के बीमार होने की खबरों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद मोदी इस पर मौन हैं।

कांग्रेस नेताओं ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि इंदौर में वही जल दूषित हुआ है, जिसको लेकर मोदी सरकार स्वच्छ जल और स्वच्छ भारत का ढ ोल पीटती है और सबके लिए स्वच्छ जल की उपलब्ध्ता का दावा करती है, लेकिन भाजपा सरकार में लोग दूषित जल के रूप में जहर पीने को मजबूर हैं और देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा पहने इंदौर में लोग गंदे पानी के सेवन से मर रहे हैं।

खड़गे ने कहा कि जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान का ढि ंढ ोरा पीटने वाले मोदी, हमेशा की तरह इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों को लेकर मौन हैं। यह वही इंदौर शहर है, जिसने केंद्र सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण में लगातार आठवीं बार सबसे स्वच्छ शहर होने का ख़िताब जीता है। ये शर्मनाक बात है कि यहाँ पर भाजपा के निकम्मेपन के चलते लोग साफ़ पानी के लिए मोहताज हैं।

- **राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, इंदौर के लोगों ने बार-बार गंदे और बदबूदार पानी की शिकायत की पर सुनवाई क्यों नहीं हुई, सीवर की गंदगी पानी में कैसे मिली, ये फोकट के सवाल नहीं जवाबदेही की मांग हैं।**
- **कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी इंदौर त्रासदी के लिए मध्यप्रदेश सरकार की आलोचना की और कहा, स्वच्छता में लगातार 8 बार टॉप पर रहा इंदौर भाजपा के निकम्मेपन के कारण साफ पेयजल को मोहताज हो गया है।**

गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा "इंदौर में पानी नहीं, ज़हर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी, लेकिन सरकार ने घमंड परोस दिया।"

उन्होंने सवाल किया " इंदौर के लोगों ने बार-बार गंदे और बदबूदार पानी की आपूर्ति की शिकायत की, फिर भी सुनवाई क्यों नहीं हुई। सीवर की गंदगी पीने के पानी में कैसे मिली। समय रहते जल आपूर्ति बंद क्यों नहीं हुई और जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी। ये फोकट के सवाल नहीं - ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है और इस अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह ज़िम्मेदार है।"

कांग्रेस नेता ने कहा "मध्य प्रदेश अब कुप्रशासन का एपिसेंटर बन चुका है। कहीं खांसी के सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे और अब सीवर की गंदगी युक्त पानी पीकर मौतें। जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं।"

महाराष्ट्र निगम चुनाव में महायुति को 66 सीटें निर्विरोध

मुंबई, 02 जनवरी। महाराष्ट्र में लंबे समय से लंबित नगर निगम चुनावों में मतदान शुरू होने से पहले ही सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने बड़ा लाभ हासिल कर लिया है। नामांकन वापसी की अंतिम तिथि शुक्रवार होने के बाद, भाजपा और शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के कुल 66 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए, जबकि अजीत पवार की एनसीपी को दो सीटें मिलीं। इस तरह महायुति ने कुल 68 सीटों पर बिना वोटिंग के जीत दर्ज की।

सबसे ज्यादा निर्विरोध जीत मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के महत्वपूर्ण कल्याण-डोंबिवली नगर निगम (केडीएमसी) में हुई, जहां महायुति के 21 उम्मीदवार निर्वाचित हुए। इनमें भाजपा के 15 और शिवसेना के 6 उम्मीदवार शामिल हैं। यह क्षेत्र राजनीतिक रूप से संवेदनशील है और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गृह क्षेत्र ठाणे से सटा हुआ है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ये निर्विरोध जीतें राज्य में महायुति गठबंधन के लिए मजबूती का संकेत हैं, खासकर हाल ही में संपन्न नगर परिषद चुनावों में मिली भारी जीत के बाद। इससे गठबंधन को बाकी सीटों पर प्रचार के लिए ज्यादा समय और संसाधन मिलेंगे। विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए यह शुरुआती झटका माना जा रहा है।

तीन उच्च न्यायालयों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बंबई उच्च न्यायालय की न्यायाधीश हैं, को मेघालय उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति जस्टिस सोमेन सेन के स्थानांतरण के बाद होगी।

जस्टिस संगम कुमार साहू, जो उड़ीसा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हैं, को पदोन्नत कर पटना उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने 18 दिसंबर को प्रारंभ में पदान्नति और स्थानांतरण के लिए छः नामों की सिफारिश की थी। शुक्रवार की अधिसूचना के बाद, तीन न्यायाधीशों की पदोन्नति केन्द्र सरकार के पास लंबित है:

जस्टिस मनोज कुमार गुप्ता (इलाहाबाद उच्च न्यायालय) को उत्तराखंड उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। यह पद 9 जनवरी को वर्तमान मुख्य न्यायाधीश के रिटायर होने के बाद खाली होगा।

जस्टिस एमएस सोनक (बंबई उच्च न्यायालय) को झारखंड उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। यह पद 8 जनवरी को खाली होगा।

कोलीजियम ने जस्टिस ए मुहम्मद मुस्ताक (केरल उच्च न्यायालय) को सिक्किम उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है।

"गिग" कर्मचारियों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जो वर्कर एक से अधिक एग्रीगेटर से जुड़े हैं, जैसे फ़ूड डिलीवरी या राइड-हेलिंग सर्विस प्रोवाइडर्स, उनके लिए एक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम 120 दिन काम करना अनिवार्य होगा।

वर्कर को उस दिन से एग्रीगेटर से जुड़ा माना जाएगा, जिस दिन से वह कमाई शुरू करता है, चाहे राशि कितनी भी हो। जिस भी कैलेंडर दिन वह कमाई करेगा, वह दिन पात्रता में गिना जाएगा।

अगर कोई वर्कर एक ही दिन में कई एग्रीगेटर के साथ काम करता है, तो हर एग्रीगेटर के लिए उसे अलग-अलग दिन माना जाएगा। यानी एक दिन में तीन एग्रीगेटर के साथ काम करने पर तीन दिन गिने जाएँगे। 16 वर्ष से अधिक आयु के गिग वर्कर्स को आधार नंबर और अन्य आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ पंजीकरण कराना होगा।

एग्रीगेटर को केन्द्रीय पोर्टल पर गिग वर्कर्स और प्लेटफ़ॉर्म वर्कर्स का विवरण साझा करना होगा, ताकि उनका यूनिवर्सल अकाउंट नंबर या यूनिक आईडी बनाई जा सके।

हर पात्र और पंजीकृत वर्कर को डिजिटल या भौतिक पहचान पत्र दिया जाएगा, जिस पर उसका फोटोग्राफ तथा अन्य विवरण होगा। यह कार्ड निर्धारित केन्द्रीय पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकेगा।

केन्द्र सरकार एक अधिकारी या एजेंसी नियुक्त करेगी, जो एग्रीगेटर से योगदान राशि एकत्र करने और बढ़ाने की जिम्मेदारी निभाएगी। यह राशि गिग वर्कर्स के लिए बनाए गए अलग खाते में "सामाजिक सुरक्षा कोष" के रूप में रखी जाएगी।

कोई भी पंजीकृत वर्कर 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर, या पिछले वित्तीय वर्ष में, एक ही एग्रीगेटर से 90 दिन से कम, या कई एग्रीगेटर के मामले में 120 दिन से कम अवधि तक जुड़े रहने पर, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ के लिए अपात्र हो जाएगा।

केन्द्र सरकार असंगठित क्षेत्र के लिए बने "राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड" में अलग-अलग श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करने वाले गिग वर्कर्स और प्लेटफ़ॉर्म वर्कर्स के पाँच सदस्यों को रोटेशन के आधार पर नामित करेगी।

बल्लारी हिंसा, भाजपा विधायक पर एफ आई आर

बंगलूरू, 02 जनवरी। कर्नाटक के बल्लारी में गुरुवार को हुई हिंसा के मामले में भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी समेत, 11 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, हिंसा के बाद बल्लारी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। दरअसल, बैनर लगाने को लेकर कांग्रेस विधायक भरत रेड्डी और भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी के समर्थक आपस में भिड़ गए थे। इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और अतिरिक्त सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। हालात अभी शांतिपूर्ण हैं और सभी एहतियाती कदम उठाए गए हैं और यह सुनिश्चित किया गया है कि कोई भी अवांछित घटना न हो। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि एक व्यक्ति हथियार लहरा रहा है और हवाई फायरिंग कर रहा है। इस मामले में पुलिस ने शुक्रवार को भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी, पूर्व मंत्री और भाजपा नेता श्रीरामुलु, शेखर, अलिखन और सोमशेखर रेड्डी समेत, 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा के गृह मंत्री अमित शाह पिछले कुछ दिनों से बंगाल में डेरा डाले हुए हैं। भाजपा राज्य इकाई ने पार्टी की छवि को लोगों के बीच प्रस्तुत करने के लिए प्रयास किए थे। हर जगह भाजपा के झंडे और पोस्टर लगाए गए थे।

ममता बनर्जी ने भाजपा के जल्द से जल्द भाजपा के झंडे और पोस्टरों को हटाने का निर्देश अपने पार्टी कार्यकर्ताओं और नगरपालिका आदि को दिया था।

इस संवाददाता ने खुद देखा कि बंगाल में भाजपा के निशान बेहद प्रभावी तरीके से हटाए जा रहे थे। कोलकाता के न्यू टाउन क्षेत्र में इस संवाददाता ने एक पार्टी कार्यकर्ता को भाजपा की प्रचार सामग्री चोरी छुपे हटाते हुए पकड़ा।

जब उससे पूछा गया कि वह यह क्यों कर रहा था, तो उसने बताया कि पश्चिम बंगाल हाउसिंग डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन और एनकेडीए ने यह सब हटाने का आदेश दिया था। वह भाजपा का झंडा हाथ में लिए हुए था और अमित शाह और भाजपा के राज्य अध्यक्ष की तस्वीर वाले एक होर्डिंग की तरफ जा रहा था। ममता बनर्जी सीमा पार हो रही इन जघन्य घटनाओं पर लीपापोती करने और ध्यान भटकाने की कितनी भी कोशिश करें, लेकिन बांगलादेश में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा भारत में तीव्र गुस्सा पैदा कर रही है, न केवल बंगाल में, बल्कि पूरे देश में।

- **तीसरी बात यह है कि देश के अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री व नेता बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या व अत्याचार के खिलाफ काफी मुखरित हुए हैं। पर, ममता बनर्जी ने इस मुद्दे पर पूर्ण चुप्पी साधी हुई है।**

यह गुस्सा भारत में बढ़ रहा है और राजनीतिक नेता, खासकर उत्तर प्रदेश के नेता, हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ खुलकर बोल रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन अत्याचारों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। इसके विपरीत, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन घटनाओं पर अपनी चुप्पी बनाए हुए हैं और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ बेमतलब की आलोचना कर रही हैं। उन्होंने शाह को दुशासन की संज्ञा दी और महाभारत के कुछ अंश कहे।

उन्होंने यहां तक कहा कि शाह को कोलकाता और राज्य के अन्य हिस्सों में पार्टी बैठकों में भाग लेने की अनुमति दी गई थी। यदि वे चाहतीं, तो उन्हें होटल से बाहर निकलने और राजनीतिक बैठकें करने से रोक सकती थीं। उनके पुलिस बल ने उन्हें घेर लिया होता और उनके कार्यक्रमों को रद्द कर दिया होता।

ममता ने कहा, ऐसा करने की बजाय उन्होंने शाह के प्रति शिष्टाचार दिखाया। ममता बनर्जी के बयानों पर टिप्पणी करते हुए, भाजपा के वरिष्ठ नेता और त्रिपुरा के पूर्व गवर्नर तथागत रॉय ने कहा कि ऐसी टिप्पणियां एक राज्य के मुख्यमंत्री जैसे उच्च पदाधिकारी के लिए निंदनीय हैं। उन्होंने कहा कि केवल एक अशिक्षित व्यक्ति ही ऐसी बात कर सकता है

तथागत रॉय ने कहा कि यहां तक कि राज्य पुलिस भी केन्द्रीय गृह मंत्री की राज्य में गतिविधियों पर रोक लगाने का आदेश नहीं मान सकती है। सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वास्तव में केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं।

तथागत रॉय ने ममता बनर्जी को उच्च पद के लिए अनुकूल नहीं बताया और कहा कि वे जानती हैं कि उनका समय अब खत्म हो चुका है। आगामी चुनाव इसका फैसला करेंगे।

हालांकि, ममता बनर्जी अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए आखिरी कोशिश करेंगी। सत्ता पाने की इस जिद में वे निश्चित रूप से बहुत प्रतिशोधी और हिंसक होंगी।

"एक्स" को सरकार ने नोटिस दिया

नई दिल्ली, 02 जनवरी। केन्द्रीय सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सख्त नोटिस जारी किया है। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की कंपनी, एक्स से जुड़े इस मामले में भारत सरकार ने कड़े निर्देश देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस्तेमाल किए जा रहे अश्लील और गैरकानूनी कंटेंट को हटाने को कहा है। दो जनवरी को जारी इस आदेश में कहा गया है कि एक्स के एआई एप ग्रोक का इस्तेमाल कर बनाए गए कंटेंट तुरंत हटाने होंगे। ऐसा न करने पर कंपनी को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

एक्स पर लगे आरोपों का संज्ञान लेते हुए सरकार ने भारत में एक्स के मुख्य अनुपालन अधिकारी को नोटिस जारी किया है। इसमें कहा गया है कि एक्स वैधानिक रूप से उचित दायित्वों का पालन करने में विफल रहा है।

ऐसे सलाहकारों से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्टालिन से प्रवीण चक्रवर्ती के लिए एक सीट देने का अनुरोध किया था, लेकिन द्रमुक नेता ने इसे ठुकरा दिया था।

इसके पीछे एक कहानी है। प्रवीण का द्रमुक में एक करीबी दोस्त था, जो मंत्री था। एक दिन, एक व्यक्तिगत डिनर के दौरान, प्रवीण ने मंत्री की बातचीत रिकॉर्ड की, जिसमें वह अपने नेतृत्व का अपमान कर रहा था। यह रिकॉर्डिंग सार्वजनिक कर दी गई और मंत्री को हटा दिया गया।

तब से मुख्यमंत्री स्टालिन प्रवीण चक्रवर्ती के साथ किसी भी प्रकार का संबंध रखने के लिए तैयार नहीं हैं, जो कांग्रेस के डेटा एक्सपर्ट हैं।

हाल ही में उन्होंने एक बयान जारी किया, जिसमें तमिलनाडु के कर्ज़ की तुलना भाजपा के उत्तर प्रदेश के कर्ज़ से की, जिसने द्रमुक और कांग्रेस में हलचल मचा दी, पर भाजपा को खुश कर दिया। कांग्रेस सांसद ज्योतिमणी, जो राहुल गांधी की पदयात्रा के बाद उनके बेहद करीब मानी जाती हैं, ने इसका जवाब दिया और बहुत जोरदार प्रतिक्रिया दी।

तमिलनाडु कांग्रेस में अंदरूनी उथल-पुथल को दर्शाते हुए, करूर की कांग्रेसी सांसद ज्योतिमणी ने ट्वीट किया, "तमिलनाडु कांग्रेस में अनियंत्रित तरीके से लगातार चल रहा आंतरिक संघर्ष बेहद निराशाजनक है। हम राहुल गांधी के अथक परिश्रम और अद्वितीय बलिदानों के साथ विश्वासघात नहीं कर सकते।"

सूत्रों के अनुसार, द्रमुक के साथ गठबंधन फिलहाल कायम है। कांग्रेस द्वारा गठबंधन के विभिन्न पहलुओं को लेकर एक समिति बनाई गई है।

अब कांग्रेस चाहती है कि यदि वे सत्ता में आते हैं तो वे सरकार का हिस्सा बनें, लेकिन दिल्ली से अपनी राजनीति चलाने वाले कुछ नेता, जैसे पी. चिदंबरम इसका विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता यह कह रहे हैं कि पार्टी सरकार का हिस्सा बनने से लाभ उठा सकती है, लेकिन अब तक इस पर कोई आम सहमति नहीं बन पाई है। लेकिन कुछ नेता, जिनका नाम ज्योतिमणी ने नहीं लिया है, कांग्रेस और उसके गठबंधन सहयोगी के बीच समस्याएं उत्पन्न करने में पूरी ताकत लगा रहे हैं।

एक सप्ताह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होने बताया कि श्रद्धालुओं की यह संख्या केवल वृंदावन तक सीमित नहीं है, बल्कि बरसाना के श्री राधा रानी मंदिर में भारी भीड़ देखी गई। वहीं, गोवर्धन दानघाटी मन्दिर, मुखारविन्द मन्दिर, राधाकुंड के साथ, पूरा सप्तकोसी परिक्रमा मार्ग भक्तों से पटा रहा। मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि और द्वारिकाधीश मंदिर में दर्शनों के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। बलदेव व गोकुल दाऊ जी मंदिर और अन्य सिद्ध पीठों पर भी रिकॉर्ड श्रद्धालु पहुंचे।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908